



# शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

सरस्वती बाल मंदिर, जी ब्लॉक, नारायणा विहार, नई दिल्ली 110028 | ई-मेल : [atulssun@gmail.com](mailto:atulssun@gmail.com)

पत्र क्रमांक-शि.सं.उ.न्यास/के.स./3/2020-21

दिनांक - 23.1.2021

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन एवं आत्मनिर्भर भारत हेतु न्यास ने प्रयास प्रारम्भ कर दिए हैं - अतुल कोठारी

### 21 फ़रवरी अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर देशभर में कार्यक्रम आयोजित करेगा न्यास

भोपाल। शिक्षा में परिवर्तन की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के समग्रता से क्रियान्वयन से देश की शिक्षा में परिवर्तन के साथ-साथ समाज में भी परिवर्तन होगा, उससे ही समृद्ध, सम्पन्न एवं विश्वगुरु भारत बनेगा। इस नीति के लागू होने से चरित्रवान, उत्तरदायी, अनुशासित एवं राष्ट्र-भक्त युवाओं का निर्माण हो सकेगा। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने इस शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का कार्य अपने स्तर पर प्रारम्भ कर दिया है। यह बात शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल कोठारी ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कही।

उन्होंने बताया कि शिक्षा नीति घोषित होने के बाद न्यास के द्वारा 200 से अधिक संगोष्ठियाँ, ई-संगोष्ठियाँ आयोजित करके शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु पहल की गई। न्यास ने विख्यात वैज्ञानिक डॉ. विजय भाटकर जी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर पर क्रियान्वयन समिति का गठन किया है तथा राज्यों के स्तर पर भी समितियों के गठन प्रारम्भ कर दिये हैं। मध्यप्रदेश में प्रो. रविन्द्र कान्हरे जी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। यह समितियाँ सरकारों द्वारा गठित टास्क फोर्स- विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों को शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में सहयोग करेगी।

श्री कोठारी ने आगे बताया कि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा सभी राज्य सरकारों से भी आग्रह किया गया है कि सभी जिलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु समितियों का गठन कर क्रियान्वयन के कार्य को सुनिश्चित किया जाए। इसी प्रकार विश्वविद्यालयों के विभागों से लेकर महाविद्यालयों के स्तर पर समितियों का गठन करना, न्यास आवश्यक मानता है। न्यास यह भी मानता है कि विभिन्न स्तर की इन समितियों द्वारा व्यापक स्तर पर संगोष्ठियों, ई-संगोष्ठियों आयोजित कर समाज एवं विशेष करके शिक्षा जगत की क्रियान्वयन में भूमिका को सुनिश्चित किया जाए।

न्यास का मानना है कि जब तक देश का छात्र आत्मनिर्भर नहीं होगा तब तक देश आत्मनिर्भर नहीं हो सकता है। इस हेतु न्यास के द्वारा “आत्मनिर्भर भारत में शैक्षिक संस्थानों की भूमिका” सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर एक समिति का गठन करके अभियान प्रारंभ कर दिया है। अभी तक सौ से अधिक शैक्षिक संस्थाओं में प्रत्यक्ष कार्य प्रारम्भ हो चुके हैं। जिसके अंतर्गत मध्यप्रदेश के झाबुआ, सागर एवं जबलपुर आदि जिलों में महत्वपूर्ण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। हमारा मानना है कि देश में उच्च शिक्षा के विश्वविद्यालय एवं केन्द्रीय संस्थान मिलकर एक हजार से अधिक संस्थान है, यदि एक विश्वविद्यालय एक जिले का दायित्व लेता है तब समग्र देश शीघ्रता से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा सकता है।

आगामी 21 फ़रवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के निमित्त देशभर में 21 से 28 फ़रवरी तक न्यास के द्वारा मातृभाषा सप्ताह मनाने का निर्णय किया गया है। श्री कोठारी जी ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं राज्य सरकारों तथा विश्वविद्यालयों सहित देश के सभी शैक्षिक संस्थानों को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का आह्वान किया है।

न्यास शैक्षिक पाठ्यक्रमों में देश विरोधी गतिविधियों को चिन्हित कर समय-समय पर सरकार को आगाह करता रहा है। न्यास ने अभी 7 जनवरी को शिक्षा सम्बन्धी संसदीय समिति के समक्ष एनसीईआरटी के पाठ्यक्रमों में त्रुटियों व विसंगतियों की ओर ध्यान दिलाते हुए यह सुझाव दिया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व के समग्र विकास को शिक्षा का आधारभूत लक्ष्य माना है, सारे पाठ्यक्रमों का आधार इसे ही बनाया जाना चाहिए। इसी के साथ कोरोना काल में भारतीय समाज के योगदान और आत्मनिर्भर भारत सम्बन्धी पाठ भी पाठ्यक्रमों में जोड़े जाने चाहिए। न्यास पर्यावरण शिक्षा, वैदिक गणित, शिक्षक शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं न्यायालयों में भारतीय भाषाओं जैसे विषयों में एक दशक से प्रयासरत है।

अथर्व शर्मा  
प्रचार-प्रसार प्रमुख  
दूरभाष:-9205954633